पं**0** चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय**,** करनाल के हिन्दी विभाग द्वारा स्नातक स्तर तक हिन्दी पढ़ाने के आउटकम (Learning Outcomes) निम्नलिखित हैं -

1. भाषाई दक्षता (Language Proficiency)

विद्यार्थी शुद्ध, सरल और प्रभावी हिन्दी लिखने-बोलने में सक्षम हो जाए।

व्याकरण, शब्दावली, वाक्य संरचना और शैलीगत विविधताओं का उचित ज्ञान प्राप्त करे।

2. साहित्यिक समझ (Literary Understanding)

हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालखंडों, रचनाकारों और विधाओं का ज्ञान हो।

साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण एवं सौंदर्यबोध विकसित कर सके।

लोक साहित्य और आधुनिक साहित्य की परंपराओं को समझ सके।

3. सांस्कृतिक चेतना (Cultural Awareness)

भारतीय संस्कृति, समाज और परंपराओं से जुड़ी हिन्दी साहित्यिक धारा को समझे।

भाषा और साहित्य के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की भावना विकसित करे।

4. व्यावहारिक उपयोगिता (Practical Application)

विद्यार्थी अनुवाद, लेखन, संपादन, पत्रकारिता, प्रसारण, विज्ञापन आदि क्षेत्रों में हिन्दी का व्यावहारिक उपयोग कर सके।

रोजगारपरक दृष्टि से हिन्दी की प्रासंगिकता को आत्मसात करे।

5. आलोचनात्मक एवं शोध कौशल (Critical & Research Skills)

साहित्यिक ग्रंथों पर विचार करते समय तार्किक दृष्टिकोण अपनाए।

छोटे-छोटे प्रोजेक्ट, आलेख या शोध कार्य करने की क्षमता विकसित करे।

6. नैतिक एवं मानवीय मूल्य (Ethical & Human Values)

साहित्य के अध्ययन से मानवीय संवेदनाएँ, करुणा, सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों को ग्रहण करे।

विद्यार्थी समाज में भाषा और साहित्य के दूत की भूमिका निभा सके।

संक्षेप में, स्नातक स्तर तक हिन्दी पढ़ाने का उद्देश्य केवल भाषा का ज्ञान देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थी को भाषाई, साहित्यिक, सांस्कृतिक, व्यावहारिक और मानवीय दृष्टि से परिपक्व बनाना है।
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा स्नातक स्तर तक पढ़ाये जाने कोर्सों की सूची निम्नलिखित है-
बी0 ए0 प्रथम सैमेस्टर मेजर-
बी0 ए0 प्रथम सैमेस्टर माइनर-
बी0 ए0 द्वितीय सैमेस्टर मेजर-
बी0 ए0 तृतीय सैमेस्टर माइनर-
बी0 ए0 तृतीय सैमेस्टर मेजर-
बी0 ए0 चतुर्थ सैमेस्टर माइनर-
बी0 ए0 चतुर्थ सैमेस्टर मेजर-
बी0 ए0 पंचम सैमेस्टर माइनर-
बी0 ए0 पंचम सैमेस्टर मेजर-
बी0 ए0 षष्ठ सैमेस्टर माइनर-
बी0 ए0 षष्ठ सैमेस्टर मेजर-

हिन्दी विभागाध्यक्ष प्राचार्या